



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र० 131] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 5, 1975/आषाढ़ 14, 1897
No. 131] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 5, 1975/ASADHA 14, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह बरतन संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICES

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 5th July 1975

SUBJECT.—Import Policy for the year April, 1975—March, 1976.

No. 63-ITC(PN)/75.—Attention is invited to the import policy as given in Section II, against Serial No. 65(6)(a)(iii)/V of the Import Trade Control Policy Red Book (Vol. I) for the period April, 1975—March, 1976.

2. It has been decided to insert the following additional remark as (3) in column 4 against the aforesaid serial number in Section II of the Import Trade Control Policy—Red Book (Vol. I) for the period April, 1975—March, 1976:—

“(3) Requirements of actual users in respect of office machines, namely, electric accounting, calculating and invoicing machines etc. will be met by imports through Electronics Trade and Technology Development Corporation, New Delhi, from rupee payment area. Applications from actual users for import of such machines should be made to CCI&E (ML-II Section), New Delhi, through the sponsoring authority concerned and import licences in the name of ETDC with L/A in favour of actual users will be issued in respect of those items of office machines as are cleared by the Deptt. of Electronics/DGTD. Import of hand-operated adding and calculating machines will not be allowed. In the case of commercial banks and government departments, applications for import of office machines may be made direct to CCI&E, New Delhi.”

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचनाएं

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 5 जुलाई 1975

विषय :—अप्रैल 1975-मार्च 1976 वर्ष के लिए आयात नीति ।

सं० 63-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75.—अप्रैल 1975-मार्च 1976 अवधि की आयात व्यापार नियंत्रण नीति रेडबुक (वा०-I) के खंड-2 में क्रम संख्या 65(6) (ए) (3)/5 के सामने दी गई आयात नीति की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

अप्रैल 1975-मार्च 1976 अवधि की आयात व्यापार नीति—रेडबुक (वा०-I) के खंड 2 में पूर्वोक्त क्रम संख्या के सामने कालम 4 में निम्नलिखित अतिरिक्त अभ्युक्ति (3) के रूप में निविष्ट करने का निश्चय किया गया है :—

“(3) कार्यालय मशीनों अर्थात् विद्युतीय लेखा करने की मशीन, संगणना करने और बीजक बनाने आदि की मशीनों के संबंध में वास्तविक उपयोक्ताओं की आवश्यकताएं इलेक्ट्रॉनिकी व्यापार और प्रायोगिक विकास निगम, नई दिल्ली के माध्यम से हथवा भुगतान क्षेत्र से पूरी की जाएंगी । ऐसी मशीनों के आयात के लिए वास्तविक उपयोक्ताओं को अपने आवेदन पत्र सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (एम एल-2 अनुभाग), नई दिल्ली को भेजने चाहिए और वास्तविक उपयोक्ताओं के पक्ष में प्राधिकार पत्र के साथ इलेक्ट्रॉनिकी व्यापार और प्रायोगिकी विकास निगम के नाम में आयात लाइसेंस कार्यालय मशीनों की उन मशीनों के संबंध में जारी किए जाएंगे जिन की इलेक्ट्रॉनिकी विभाग/महानिदेशालय, तकनीकी विकास द्वारा निकासी कर दी गई हो । हस्तचालित संकलन और संगणन मशीनों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी । वाणिज्यिक बैंको और सरकारी विभागों के मामले में कार्यालय मशीनों के आयात के लिए आवेदन पत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को सीधे ही भेजे जा सकते हैं ।”

SUBJECT.—Scope of licensing for import of spare parts: April 1975—March 1976.

No. 64-ITC(PN)/75.—Attention is invited to para 58 of Section I of the Import Trade Control Policy—Red Book (Vol. I) for the period April 1975—March 1976, giving the scope and definition regarding permissibility of spare parts against import licences issued to actual users for the licensing period April 1975—March 1976.

2. On a review of the position, it has been decided to insert the following after the words 'non-permissible', appearing in line 18 of para 58 of Section I of the Red Book (Vol. I) for the period 1975-76:

“The intention is that even if a particular serial number is not shown in Section II of the I.T.C. Policy, import of spare parts covered by that serial number, will be treated as permissible unless specifically banned in terms of the policy indicated in Section II of the Red Book (Vol. I). In other words, the provision of para 78 of Section I of this book will be applicable in the case of finished products covered by that serial number and import of spare parts will be treated as permissible unless specifically banned.”

विषय.—फालतू पुर्जों के आयात के लिए लाइसेंस जारी करने का क्षेत्र : अप्रैल 1975-मार्च 1976।

सं० 64-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75.—अप्रैल 1975-मार्च 1976 अवधि की आयात व्यापार नियंत्रण नीति रेडबुक (वा०-1) के खंड-1 के पैरा 58 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें लाइसेंस अवधि अप्रैल 1975-मार्च 1976 के लिए वास्तविक उप-योक्ताओं को जारी किए गए आयात लाइसेंसों के प्रति फालतू पुर्जों की अनुमति के संबंध में क्षेत्र और परिभाषा दी गई है।

2. स्थिति की पुनरीक्षा करने पर 1975-1976 अवधि की रेडबुक (वा०-1) के खंड 1 के पैरा 58 की लाइन 18 में प्रदर्शित "गैर अनुमेय" शब्दों के बाद निम्नलिखित को निविष्ट करने का निर्णय किया गया है :—

"उद्देश्य यह है कि कोई विशेष क्रम संख्या आयात व्यापार नियंत्रण नीति के खंड-2 में बाह्य न भी दिखाई गई हो, परन्तु उस क्रम संख्या में शामिल फालतू पुर्जों का आयात तब तक अनुमेय समझा जाएगा जब तक वे रेडबुक (वा०-1) के खंड दो में निविष्ट नीति के अनुसार विशेष रूप से निषेध नहीं कर दिये जाते। दूसरे शब्दों में इस पुस्तक के खंड-1 के पैरा 78 की व्यवस्था उस क्रम संख्या में शामिल परिष्कृत उत्तरादों के मामले में लागू होगी और फालतू पुर्जों का आयात तब तक अनुमेय समझा जाएगा जब तक कि विशेष रूप से निषेध नहीं कर दिया जाता।"

SUBJECT.—*Period of validity of high value release orders.*

No. 65-ITC(PN)/75.—Attention is invited to provision made in para 258 in Chapter XI of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1975-76 in terms of which the validity of release orders in respect of items import of which is canalised through the public sector agency will be 12 months, unless otherwise provided.

2. Instances have come to notice that there have been difficulties in servicing release orders of high value within the validity of 12 months. In order to obviate such difficulties, it has been decided that, in the case of release orders for a value of Rs. 1 crore and more, the initial validity will be 18 months instead of 12 months.

3. The provision of paragraph 258 of Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1975-76, may be deemed to have been amended accordingly.

B. D. KUMAR,

Chief Controller of Imports and Exports.

विषय.—उच्च मूल्य के रिहाई आदेशों की वैधता अवधि।

सं० 65-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75.—आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक, 1975-76 के अध्याय 10 के पैरा 258 में दी गई व्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिस के अनुसार जिन मदों का आयात सार्वजनिक क्षेत्र अधिकरण के माध्यम से सरगीबद्ध किया जाना है उनके संबंध में रिहाई आदेशों की वैधता जब तक अन्यथा व्यवस्था न कर दी जाए तब तक 12 मास होगी।

2. ऐसे दृष्टान्त नोटिस में आए हैं कि वैधता के 12 महीनों के भीतर उच्च मूल्य के रिहाई आदेशों को उपयोग में लाने में कठिनाइयाँ हुई हैं। ऐसी कठिनाइयों को दूर करने के लिए यह निर्णय

किया गया है कि 1 करोड़ या इससे अधिक मूल्य के रिहाई आदेशों के मामले में प्रारम्भिक वैज्ञानिक अवधि 12 महीने के बजाय 18 महीने होगी।

3. आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक (हैन्डबुक) 1975-76 के पैरा 258 की शर्तों तदनुसार संशोधित की गई समझी जाए।

बी० डी० कुमार,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।